अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 112 | श्री विजय पुरम, सोमवार, 27 अप्रैल 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में कल्पक्कम रिएक्टर, जनगणना, स्वच्छ ऊर्जा और जैव विविधता पर चर्चा की

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के कल्पक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को चालू करने में सफलता हासिल करने पर देश के परमाणु वैज्ञानिकों की सराहना की है। आकाशवाणी से 'मन की बात' कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री ने कहा कि परमाणु ऊर्जा यात्रा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से भारत का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह परमाणु सयंत्र पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बना है और ब्रीडर रिएक्टर बिजली उत्पादन के अलावा भविष्य के लिए नया ईंधन विकल्प भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 56 गीगावाट से अधिक हो गई है। पिछले वर्ष ही इसमें लगभग 6 गीगावाट की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भारत पवन ऊर्जा के क्षेत्र में चौथे स्थान पर है। श्री मोदी ने कहा कि गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित देश के कई राज्य इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। गुजरात के कच्छ, पाटन और बनासकांठा क्षेत्रों में बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत के विकास के लिए सौर और पवन ऊर्जा आवश्यक हैं तथा युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिजली बचाने और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की ज़रूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष पहली मई को बुद्ध पूर्णिमा मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है और वैश्विक तनाव तथा संघर्ष को देखते हुए उनकी शिक्षाएं और अधिक महत्वपूर्ण हो गई हैं। श्री मोदी ने दक्षिण अमरीका के चिली में कोचीगुआज घाटी में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का प्रचार करने वाले एक संगठन की चर्चा की। यह प्रयास लद्दाख के द्रुबपोन ओत्जर रिनपोचे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। यह संगठन ध्यान और करुणा को लोगों के जीवन से जोड़ रहा है। श्री मोदी ने कहा कि बौद्ध परंपरा प्रकृति से जुड़ना सिखाती है। उन्होंने कर्नाटक में सौ एकड़ में फैले कर्मा मठ का उदाहरण दिया जहां सात सौ से अधिक देशी वृक्षों का संरक्षण किया गया है।

प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर में जिस बांस को कभी बोझ समझा जाता था, उसी से अब रोजगार, व्यापार और नवाचार को गति मिल रही है। ब्रिटिश कानून में बांस को वृक्ष का दर्जा दिया गया था और इससे जुड़े नियम बहुत सख्त थे। श्री मोदी ने बताया कि बांस की ढुलाई बहुत

शेष पृष्ठ 4 पर

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित चिंतन शिविर में भाग लेने हेतु श्रीनगर प्रवास के दौरान, एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.), माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह तथा उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी ने आज जम्मू स्थित लोक भवन में जम्मू–कश्मीर के माननीय उप राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से भेंट की।

लिटिल अण्डमान के समग्र विकास हेतु समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण

श्री विजय पुरम, 26 अप्रैल

डॉ. अपूर्वा शर्मा, निदेशक (ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्थान एवं शहरी स्थानीय निकाय) ने 25 से 26 अप्रैल 2026 के दौरान लिटिल अण्डमान का दौरा किया तथा पंचायत समिति, लिटिल अण्डमान में पीआरआई प्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान खनन सामग्री एवं सफेद मुर्रम की अनुपलब्धता, कार्यों के निष्पादन में देरी, मनरेगा के क्रियान्वयन तथा आधारभूत संरचना से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की गई। निदेशक ने संबंधित अधिकारियों को निदेश दिया कि वे प्राथमिकता के आधार पर बाधाओं का समाधान करें, कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें तथा निगरानी एवं समन्वय को सुदृढ़ करें। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के साथ भी संवाद किया और बाजार उन्मुख एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के प्रोत्साहन पर जोर देते हुए बेहतर विपणन संपर्क तथा पर्यटन आधारित अवसरों को बढ़ावा देने की बात कही। दौरे के अंतर्गत निदेशक ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं, प्रगतिरत कार्यों एवं सार्वजनिक आधारभूत संरचनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया तथा अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और सेवा प्रदायगी में सुधार हेतु आवश्यक निदेश जारी किए। 26 अप्रैल, 2026 को निदेशक ने हटबे स्थित गांधी बाजार में नवनिर्मित मत्स्य बाजार का उद्घाटन किया तथा मछुआरा समुदाय के साथ बातचीत की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आधारभूत संरचना, सुविधाओं और नौकाओं के सुरक्षित पार्किंग से संबंधित मुद्दों का चरणबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा। पंचायत समिति, लिटिल अण्डमान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि निदेशक ने लिटिल अण्डमान में संतुलित एवं सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सुरक्षा के प्रति सक्रियता: बाराटांग पेट्रोल पंप पर मॉक फायर ड्रिल का आयोजन

मायाबंदर, 26 अप्रैल

आपातकालीन प्रतिक्रिया, अग्निशमन दक्षता और कर्मचारियों के समन्वय का आकलन करने के उद्देश्य से फायर स्टेशन बाराटांग द्वारा अनिडको पेट्रोल पंप, बाराटांग में एक मॉक फायर ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। परिदृश्य में 40 केएल भूमिगत टैंक में डीजल भरते समय फ्यूल डिस्पेंसर लाइन में आग लगने की स्थिति को दर्शाया गया।

सुबह 9.55 बजे कॉल प्राप्त होते ही टीम ने एक मिनट के भीतर प्रतिक्रिया दी और 9.58 बजे स्थल पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई का प्रदर्शन किया।

डिलीवरी होज और फोम कंपाउंड का उपयोग करते हुए तुरंत अग्निशमन कार्य शुरू किया गया और आग को 10.14 बजे तक पूरी तरह बुझा दिया गया। ड्रिल के पश्चात एक संक्षिप्त सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सुरक्षा प्रोटोकॉल, प्रमुख सीख तथा प्राथमिक उपचार और अग्निशमन उपकरणों के बुनियादी प्रशिक्षण पर चर्चा की गई, साथ ही आपात स्थितियों में सतर्कता और सूझबूझ के महत्व पर बल दिया गया।

उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस ड्रिल में कर्मचारियों, प्रबंधन और आम जनता ने भाग लिया, जिससे जागरूकता बढ़ी, तैयारियों को सुदृढ़ किया गया और ईंधन स्टेशनों पर सुरक्षा मानकों के पालन को मजबूती मिली। आम जनता से अनुरोध है कि किसी भी अपराध या अवैध गतिविधियों से संबंधित विश्वसनीय जानकारी निकटतम पुलिस थाना या हेल्पलाइन नंबर 100, 112 अथवा 03192–273344 पर साझा करें। सूचना देने वालों की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा उपयुक्त पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

दृढ़ संकल्प और आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं श्रीमती सुधा रानी बिस्वास

श्री विजय पुरम, 26 अप्रैल

दक्षिण अण्डमान के छोलदारी गांव के बछड़ा पहाड़ की निवासी 69 वर्षीय श्रीमती सुधा रानी बिस्वास दृढ़ संकल्प और आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी हैं। समर्पण और स्मार्ट खेती पद्धतियों के माध्यम से उन्होंने बतख पालन को आय के एक स्थायी स्रोत में बदल दिया है, यह सिद्ध करते हुए कि जब जुनून और अवसर के साथ विभागीय सहयोग मिले, तो उम्र कोई बाधा नहीं होती।

श्रीमती बिस्वास ने कोविड काल के दौरान छोटे स्तर पर शुरुआत की, जब उन्होंने पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के केंद्रीय हैचरी से 30 विगोवा नस्ल के बतख के बच्चों की खरीद की। प्रारंभिक लाभ से उत्साहित होकर उन्होंने एक बतख शेड का निर्माण किया और 100 और बतख के बच्चों को खरीदा। उन्होंने एक व्यावहारिक रणनीति अपनाई, जिसमें नर बतखों को मांस के लिए बेचते हुए मादा बतखों को अंडा उत्पादन के लिए रखा, जिससे दोनों श्रोतों से आय प्राप्त होने लगी।

लागत कम करने के लिए उन्होंने नवाचारी तरीका अपनाते हुए छोलदारी बाजार से बची हुई सब्जियां एकत्र कर उन्हें उबालकर चावल की भूसी के साथ मिलाकर पौष्टिक आहार तैयार किया। लगातार मेहनत और पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग से समय–समय पर प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप आज वे बतख पालन से नियमित आय अर्जित कर रही हैं।

उनकी सफलता की कहानी दर्शाती है कि विभाग के सहयोग से छोटे–छोटे प्रयास भी विश्वसनीय आजीविका में परिवर्तित हो सकते हैं। श्रीमती बिस्वास की यह यात्रा द्वीपों की ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता हेतु बतख पालन अपनाने के लिए एक सशक्त प्रेरणा का श्रोत है।

(श्रोतः पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग)

टीबी मुक्त भारत अभियान–100 दिवसीय सघन अभियान का सफल क्रियान्वयन

श्री विजय पुरम, 26 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा 24 मार्च, 2026 को प्रारंभ किए गए "टीबी मुक्त भारत अभियान–100 दिवसीय सघन अभियान" को राष्ट्रीय दिशा–निर्देशों के अनुरूप सक्रिय रूप से लागू किया जा रहा है। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ विश्व टीबी दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर डॉ. सचिन शिंदे, आयुक्त–सह–सचिव (स्वास्थ्य) द्वारा तथा जिला स्तर पर संबंधित उपायुक्तों द्वारा किया गया।

यह अभियान क्षय रोग (टीबी) के उन्मूलन हेतु एक समग्र एवं लक्षित दृष्टिकोण पर केंद्रित है, जिसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- संवेदनशील आबादी एवं उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में छाती के एक्स–रे तथा एनएएटी जांच के माध्यम से सक्रिय स्क्रीनिंग कर छूटे हुए सभी टीबी मामलों की शीघ्र पहचान।
- व्यक्तिगत देखभाल, पोषण सहायता, सह–रुग्णताओं के प्रबंधन, नियमित फॉलो–अप तथा टीबी मृत्यु ऑडिट के माध्यम से टीबी से होने वाली मृत्यु दर में कमी।
- उच्च जोखिम वाले समूहों जैसे परिवार के निकट संपर्कों एवं एचआईवी से ग्रसित व्यक्तियों के लिए टीबी निवारक उपचार (टीपीटी) उपलब्ध कराकर नए मामलों की रोकथाम।
- "समाज की भागीदारी" एवं "संपूर्ण सरकार" दृष्टिकोण के माध्यम से जागरूकता बढ़ाना, कलंक को कम करना तथा समय पर उपचार हेतु

शेष पृष्ठ 4 पर

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में कल्पक्कम

पृष्ठ 1 का शेष

कठिन थी, इसलिए लोग इसके कारोबार से दूर होने लगे थे। उन्होंने बताया कि एनडीए सरकार ने 2017 में कानून में बदलाव कर बांस को वृक्ष की श्रेणी से हटा दिया और आज पूर्वोत्तर में बांस क्षेत्र फल–फूल रहा है। श्री मोदी ने त्रिपुरा के गोमती जिले के बिजय सूत्रधार और दक्षिण त्रिपुरा के प्रदीप चक्रवर्ती की चर्चा की जिन्होंने नए कानूनों को अपने लिए एक बड़ा अवसर समझा और आज वे पहले से कहीं बेहतर और अधिक बांस उत्पाद तैयार कर रहे हैं। श्री मोदी ने बताया कि नागालैंड में दीमापुर और आसपास के क्षेत्रों में, कई स्व–सहायता समूह बांस से खाद्य उत्पाद तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खोरोलो क्रिएटिव क्राट्स की टीम बांस के फर्नीचर और हस्तशिल्प पर काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि मिजोरम के मामित जिले में बांस के टिशू कल्चर और पॉलीहाउस प्रबंधन पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि सिक्किम की राजधानी गंगटोक के पास लगस्तल बांस उद्यम टीम बांस से हस्तशिल्प, अगरबत्ती, फर्नीचर और आंतरिक सज्जा की वस्तुएं बनाती है। श्री मोदी ने लोगों से पूर्वोत्तर से बांस के एक उत्पाद खरीदने की अपील की ताकि बांस उत्पाद के लिए कड़ी मेहनत करने वालों को प्रोत्साहन मिले।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीटिंग रिट्रीट गणतंत्र दिवस समारोह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें विभिन्न बैंड विविध संगीत परंपराओं को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इस आयोजन में भारतीय संगीत का समावेश बढ़ा है, जिसे लोग पसंद कर रहे हैं। इस वर्ष के बीटिंग रिट्रीट समारोह में वायुसेना, थलसेना, नौसेना और सीएपीएफ बैंड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वायुसेना बैंड ने सिंदूर फॉर्मेशन और नौसेना बैंड ने मत्स्य यंत्र फॉर्मेशन का प्रदर्शन किया था। थलसेना बैंड में वंदे मातरम के डेढ सौ वर्ष और क्रिकेट में भारत की सफलता को दर्शाया गया था। श्री मोदी ने कहा कि बीटिंग रिट्रीट की भव्यता सबका ध्यान आकर्षित करती है। उन्होंने जानकारी दी कि बीटिंग रिट्रीट का संगीत फिलहाल ओटीटी प्लेटफार्म वेव्स पर उपलब्ध है। उन्होंने इसे सुनने की अपील की ताकि वे सशस्त्र बलों और उनकी परंपराओं पर गर्व कर सकें।

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के 20 करोड़ से अधिक दस्तावेज़ डिजिटाइज़ कर सार्वजनिक कर दिए गए हैं। इनमें भोजपत्र पर लिखी सातवीं शताब्दी की गिलगित पांडुलिपियां और आठवीं शताब्दी का एक रोचक ग्रंथ श्रीभुवालय शामिल हैं। इन दस्तावेज़ में रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण पत्र भी हैं, जिनसे उनके द्वारा 1857 में लिए गए कुछ निर्णयों का पता चलता है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन, आज़ाद हिंद फौज और उनके भाषणों से संबंधित दस्तावेज़ भी हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय से जुड़े दस्तावेज़ भी हैं। इनमें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय–बीएचयू की स्थापना और हिंदी साहित्य सम्मेलन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है। संविधान सभा से संबंधित कई अनूठे दस्तावेज भी उपलब्ध हैं। श्री मोदी ने इतिहास के इस अनूठे अनुभव के लिए अभिलेख हाइफन पटल डॉट इन पर जाने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने यूरोपीय गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड में छठा स्थान प्राप्त करने वाली टीम की भी सराहना की। यह ओलंपियाड इस महीने के शुरु में फ्रांस के बोर्डो में आयोजित हुआ था जो विश्व की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक है। भारतीय टीम में मुंबई की श्रेया मुंद्रा, तिरुवनंतपुरम की संजना चाको, चेन्नई की शिवानी भरत कुमार और कोलकाता की श्रीमोई बेरा शामिल थीं। श्रेया ने स्वर्ण, संजना ने रजत और शिवानी ने कांस्य जीतकर इतिहास रच दिया। श्री मोदी ने बताया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र में एक महीने के गणित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते हैं। शिविर के अंत में, चयन परीक्षा ली जाती है। इस परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम का चयन किया जाता है। हर साल, देश भर से लगभग 6 लाख छात्र गणित ओलंपियाड में भाग लेते हैं।

प्रधानमंत्री ने गर्व व्यक्त किया कि ब्राजील में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पनीर प्रतियोगिता में दो भारतीय पनीर ब्रांडों को पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने कहा कि भारत के डेयरी क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं और भारतीय पनीर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने जम्मू–कश्मीर के कलारी पनीर का उदाहरण दिया, जिसे "कश्मीर का मोज़ेरेला" कहा जाता है। गुर्जर–बकरवाल समुदाय पीढ़ियों से इसे बनाता रहा है। श्री मोदी ने सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में लोकप्रिय "छुरपी" का भी जिक्र किया। उन्होंने "टोपली नु पनीर" के बारे में भी बताया, जिसे महाराष्ट्र और गुजरात में "सुरती पनीर" कहा जाता है। श्री मोदी ने कहा कि तकनीक के कारण पैकेजिंग में सुधार हो रहा है और भारतीय उत्पाद वैश्विक मानकों पर ख़रे उतर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 9 मई को 'पोचीशे बोइशाख' के अवसर पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि टैगोर बहुमुखी प्रतिभा–संपन्न थे जिन्होंने कई प्रतिष्ठित संस्थानों को मूर्तरूप दिया। श्री मोदी ने कहा कि टैगोर ने ऐसे उद्योगों का समर्थन किया था जो स्थायी रोजगार दे सकें और जिनसे गांवों को लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि रवींद्र संगीत का प्रभाव आज भी दुनिया भर में है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मई का महीना 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के स्मरण का अवसर भी होता है। श्री मोदी ने उन सभी वीर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया जिन्होंने देशभक्ति की अलख जगाई।

श्री मोदी ने बच्चों को गर्मियों की छुट्टी का भरपूर आनंद लने और कुछ नया सीखने की सलाह दी। उन्होंने गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने का अनुरोध भी किया।

टीबी मुक्त भारत अभियान–100 दिवसीय

पृष्ठ 1 का शेष

प्रेरित करना।

- मधुमेह, उच्च रक्तचाप, एनीमिया, कुपोषण एवं कैंसर जैसी सह–रुग्णताओं की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन द्वारा उपचार परिणामों में सुधार।

अभियान के अंतर्गत बहुआयामी सेवा वितरण रणनीति अपनाई गई है:

- आउटरीच गतिविधियां: समुदायों में आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन, जिनमें हैंडहेल्ड एक्स–रे मशीनों द्वारा टीबी जांच की जाती है।
- स्वास्थ्य संस्थान आधारित सेवाएं: स्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले सभी व्यक्तियों की सघन स्क्रीनिंग, जिसे गैर–संचारी रोग (एनसीडी) सेवाओं से जोड़ा गया है।
- एकीकृत स्क्रीनिंग: टीबी, एनसीडी एवं सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं का समन्वय।
- एनसीडी स्क्रीनिंग: रक्तचाप, रक्त शर्करा, बीएमआई आकलन एवं एनीमिया जांच।

समग्र प्रगति (24 मार्च, 2026–24 अप्रैल, 2026):

आयुष्मान आरोग्य शिविर:

- कुल शिविर आयोजित: 501 (शहरी: 122, ग्रामीण: 363, समूहिक स्थान: 7, अन्य क्षेत्र: 9)
- कुल उपस्थिति: 14,589 (पुरुष: 6,700; महिला: 7,889)
- निक्षय पंजीकरण (नए + नए प्रकरण): 4,080
- कुल छाती के एक्स–रे: 4,080
- एनएएटी जांच: 1,119
- अधिसूचित टीबी मामले: 40

जनभागीदारी एवं सामुदायिक सहभागिता गतिविधियां:

- कुल जनभागीदारी गतिविधियां: 81
- निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी: 116 (शहरी निकाय: 19; पंचायती राज संस्थान: 97)
- स्कूल एवं महाविद्यालयों में गतिविधियां: 59
- विभिन्न मंत्रालयों में गतिविधियां: 19

- सार्वजनिक उपक्रम/कॉर्पोरेट/व्यावसायिक संगठनों में गतिविधियां: 2

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन सभी नागरिकों से टीबी के खिलाफ इस लड़ाई में सक्रिय भागीदारी की निम्न अपील करता है:

1. जागरूकता फैलाएं कि टीबी एक रोके जाने योग्य और पूरी तरह से इलाज योग्य बीमारी है।
2. टीबी से जुड़े कलंक और भेदभाव को समाप्त करने में सहयोग करें।
3. उच्च जोखिम वाले व्यक्ति–जैसे 60 वर्ष से अधिक आयु, कम वजन (बीएमआईढ18), मधुमेह रोगी, धूम्रपान या मद्यपान करने वाले (वर्तमान या पूर्व), टीबी रोगियों के निकट संपर्क या पिछले 5 वर्षों में टीबी से ग्रसित व्यक्ति–निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच अवश्य कराएं।
4. "निक्षय मित्र" बनकर टीबी रोगियों को पोषण एवं मनोसामाजिक सहयोग प्रदान करें।

राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रशासन सतत प्रयासों, जनसहभागिता एवं सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से टीबी मुक्त अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

निकोबार द्वीपसमूह के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं अस्थायी रूप से स्थगित

श्री विजय पुरम, 26 अप्रैल

आम जनता को सूचित किया जाता है कि एफआईआर, चेन्नई द्वारा जारी नोटम (नोटिस टू एयर मिशन्स) के कारण, 28 अप्रैल, 2026 से 1 मई, 2026 तक अथवा अगले आदेश तक (जो भी पहले हो) निकोबार द्वीपसमूह के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं संचालित नहीं की जाएंगी।

इतिहास स्नातकों हेतु अभिलेखागार विभाग द्वारा अल्पकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम की घोषणा

श्री विजय पुरम, 26 अप्रैल

अभिलेखागार विभाग ने हाल ही में इतिहास विषय में बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) की डिग्री पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के लिए एक अल्पकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य अभिलेखागार प्रबंधन में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, साथ ही प्रशिक्षित इंटर्नों की भागीदारी के माध्यम से अभिलेखागार के चल रहे कार्यों को सुदृढ़ करना भी है।

इंटर्नशिप कार्यक्रम के उद्देश्य:

- अभिलेखीय प्रक्रियाओं जैसे संरक्षण, सूचीकरण (कैटलॉगिंग) एवं अभिलेखों के डिजिटलीकरण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- इतिहास स्नातकों की रोजगार क्षमता को व्यावहारिक कौशलों से सशक्त बनाना।
- प्रशिक्षित इंटर्नों के शैक्षणिक सहयोग के माध्यम से अभिलेखीय कार्यों को सुदृढ़ करना।

इंटर्नशिप की अवधि 3 माह होगी। प्रदर्शन के आधार पर, अभिलेखागार सचिव की स्वीकृति के अधीन, इंटर्नशिप को अतिरिक्त 3 माह के लिए बढ़ाया जा सकता है।

पात्रता एवं चयन मानदंड:

- आवेदक ने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इतिहास विषय में बीए की डिग्री प्राप्त की हो।
- केवल वे अभ्यर्थी पात्र होंगे जिन्होंने वर्तमान या पिछले दो शैक्षणिक वर्षों में डिग्री पूर्ण की हो।
- चयन पूर्णतः शैक्षणिक योग्यता के आधार पर किया जाएगा, जो बीए (इतिहास) में प्राप्त कुल अंकों के प्रतिशत पर आधारित होगा।
- कुल अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।
- समान अंक होने की स्थिति में इतिहास ऑनर्स/मुख्य विषय के पेपरों में अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।
- कोई साक्षात्कार आयोजित नहीं किया जाएगा।
- कुल 10 इंटर्नों का चयन किया जाएगा।

छात्रवृत्ति:

प्रत्येक इंटर्न को प्रति माह 10,000 रुपये का समेकित वृत्ति प्रदान किया जाएगा।

इंटर्नों के कार्य:

- पुराने अभिलेखों की मरम्मत, बाइंडिंग एवं सुरक्षित संभाल का कार्य।
- अभिलेखों का सूचीकरण एवं अनुक्रमण (इंडेक्सिंग)।
- डिजिटलीकरण एवं डेटा एंट्री कार्य।
- अभिलेख संरक्षण एवं प्रबंधन से संबंधित मूलभूत गतिविधियाँ।
- शोध एवं प्रलेखन कार्यों में सहयोग।

निर्धारित कार्यों को संतोषजनक रूप से पूर्ण करने पर इंटर्नों को पूर्णता प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाएगा।

अभिलेखागार विभाग ने वर्तमान या पिछले दो शैक्षणिक वर्षों में इतिहास विषय में बीए डिग्री पूर्ण कर चुके इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से इस इंटर्नशिप कार्यक्रम हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं।

अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा, स्नातक प्रमाण–पत्रों, अंक तालिकाओं एवं पहचान प्रमाण की प्रतियों सहित साधारण कागज पर आवेदन पत्र तैयार कर सहायक सचिव (अभिलेखागार), अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार, सचिवालय, श्री विजय पुरम के नाम 10 मई, 2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

एनकॉल द्वारा डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु सूचना

श्री विजय पुरम, 26 अप्रैल

अण्डमान कॉलेज (एनकॉल) ने विद्यार्थियों को निर्धारित तिथियों के अनुसार महाविद्यालय परिसर से अपने डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त करने की सलाह दी है।

तिथि	समय	बैच एवं पाठ्यक्रम
27 अप्रैल 2026	प्रातः 10 बजे–दोपहर 1 बजे	बैच 2019: बीए अंग्रेजी, बीए अर्थशास्त्र, बीए समाजशास्त्र बैच 2018: बीपीए (संगीत)
28 अप्रैल 2026	प्रातः 10 बजे–दोपहर 1 बजे	बैच 2019: बीबीए, बीएससी मनोविज्ञान, बीकॉम सामान्य, बीकॉम सीएस
29 अप्रैल 2026	प्रातः 10 बजे–दोपहर 1 बजे	बैच 2021: बीए अंग्रेजी, बीए अर्थशास्त्र, बीए समाजशास्त्र बैच 2020: बीपीए (संगीत)
30 अप्रैल 2026	प्रातः 10 बजे–दोपहर 1 बजे	बैच 2021: बीबीए, बीएससी मनोविज्ञान, बीकॉम सामान्य, बीकॉम सीएस

एनकॉल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि विद्यार्थियों को अपने प्रमाणपत्र स्वयं उपस्थित होकर प्राप्त करना अनिवार्य है। अपरिहार्य परिस्थितियों में, अधिकृत प्रतिनिधि प्राधिकरण पत्र तथा वैध सरकारी पहचान पत्र प्रस्तुत कर उनके स्थान पर प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है।

महाविद्यालय ने सभी पात्र विद्यार्थियों से अनुरोध किया है कि प्रमाणपत्र वितरण प्रक्रिया को सुचारु एवं व्यवस्थित बनाने हेतु निर्धारित समय–सारणी का कड़ाई से पालन करें।

विज्ञान केंद्र, श्री विजय पुरम में एक माह का 'हॉलिडे कैंप' आयोजित

श्री विजय पुरम, 26 अप्रैल

विज्ञान केंद्र, श्री विजय पुरम द्वारा कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लाभार्थ 2 मई से 30 मई, 2026 तक एक माह का "हॉलिडे कैंप" आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में एयरो मॉडलिंग, क्रिएटिव साइंस, शिप बिल्डिंग, मॉडल रॉकेट्री, रोबोटिक साइंस, फन बायोलॉजी, खगोल विज्ञान एवं दूरबीन निर्माण तथा फन केमिस्ट्री जैसे विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कैंप को साप्ताहिक रूप से दो–दो विषयों के लिए निर्धारित किया गया है, जिसमें संबंधित विषयों को व्यावहारिक प्रयोगों के साथ विस्तार से सिखाया जाएगा। कक्षाएं प्रातः 9.15 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित होंगी। विद्यार्थियों का पंजीकरण 24 अप्रैल, 2026 से प्रारंभ हो चुका है और 30 अप्रैल, 2026 तक जारी रहेगा। इच्छुक विद्यार्थी **https://sciencecentre.fun/camp/** लिंक के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं या 30 अप्रैल, 2026 तक प्रातः 10.30 बजे से सायं 5 बजे तक कार्य समय में विज्ञान केंद्र में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं। प्रति ट्रेड/प्रशिक्षण के लिए 500 रुपये का पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है।

विज्ञान केंद्र के शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कैंप के दौरान विद्यार्थियों के आवागमन (पिकअप एवं ड्रॉप) के लिए विज्ञान केंद्र द्वारा दो बस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जो श्री विजय पुरम एवं आसपास के क्षेत्रों को कवर करेंगी। इसके लिए प्रति ट्रेड प्रति सप्ताह 250 रुपये का शुल्क देय होगा।

अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या 9434263302/9933207860/9434296963 पर संपर्क किया जा सकता है।

ओग्राब्राज पुलिस की त्वरित कार्रवाई: अज्ञात हिट–एंड–रन मामला 5 घंटे के भीतर सुलझाया गया

श्री विजय पुरम, 26 अप्रैल

किसी भी अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता के उद्देश्य से, पुलिस थाना ओग्राब्राज की टीम ने एक अज्ञात हिट–एंड–रन मामले की घटना को मात्र 5 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक सुलझा लिया। 22 अप्रैल, 2026 को, छोलदारी क्षेत्र में हुए एक सड़क दुर्घटना के संबंध में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, छोलदारी से सूचना प्राप्त होने पर तुरंत एफआईआर दर्ज़ की गई और एक पुलिस टीम का गठन किया गया। इस टीम में इंस्पेक्टर स्टालिन एन. एस., सहायक उप निरीक्षक (विशेष श्रेणी) संजय कुमार सिंह, अशोक रॉय, प्रधान आरक्षक (विशेष श्रेणी) अबूबक्कर सिद्दीक़, पुलिसकर्मी जयंत कुमार बिस्वास, रूपेश नारायण, असलम तथा अब्दुल रहमान शामिल थे। पुलिस टीम ने सतत प्रयासों, समन्वित टीमवर्क और तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से आरोपी की व्यापक तलाश शुरू की और घटना के 5 घंटे के भीतर ही उसे खोजकर गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, घटना में प्रयुक्त वाहन को भी बरामद कर जब्त कर लिया गया। दक्षिण अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह मामला इंस्पेक्टर स्टालिन एन. एस., थाना अध्यक्ष ओग्राब्राज थाना के मार्गदर्शन में, श्री सुनील, दानिप्स, एसडीपीओ बम्बूफ्लाट के नेतृत्व में तथा श्रीमती श्वेता के. सुगथन (आईपीएस), पुलिस अधीक्षक, दक्षिण अण्डमान जिला के समग्र पर्यवेक्षण में सुलझाया गया।

सामान्य जनता से अनुरोध है कि किसी भी अपराध या अन्य अवैध गतिविधियों से संबंधित जानकारी पुलिस को 112, 03192–232100 और 03192–236641 पर साझा करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) एस. बिजू पिल्लै
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

सं. ई–निविदा / डीबी / सीडी / डीपी / 2026 / 1698 दिनांक 21.04.2026
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, निर्माण मंडल अलोनिवि डिग्लीपुर
(बोली आमंत्रित करने वाले प्राधिकरण का नाम)

ई–टेंडर आमंत्रित सूचना (एनआईटी) (Re-call)

पीएमजीएसवाई– ।।।, बैच– । 2024–2025 का

कार्यकारी अभियंता, सीडी, अलोनिवि डिगलीपुर, उत्तर और मध्य अंडमान भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण के लिए इलेक्ट्रॉनिक टेंडरिंग प्रणाली में प्रतिशत दर बोली आमंत्रित करता है, जिसमें पांच साल की अवधि के लिए रखरखाव शामिल है, उन पात्र और स्वीकृत ठेकेदारों से, जिन्होंने संतोषजनक रूप से पूर्ण किया है, मुख्य ठेकेदार या उप ठेकेदार के रूप में कम से कम एक समान कार्य जो कि अनुमानित कार्य की लागत (पांच साल की रखरखाव लागत को छोड़कर) के एक–तिहाई (1/3) के बराबर है। बोलीदाता द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्धारित मूल अवधि में पूर्ण किए गए सड़क कार्य का मूल्य इस उप–क्लॉज 4.4 (A) (b) के उद्देश्य के लिए 120 प्रतिशत के रूप में माना जाएगा।

जिला	पैकेज संख्या	काम का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)		कुल लागत (लाख)	पूर्णता की अवधि	बोली सुरक्षा कुल लागत का दो प्रतिशत है, जिसे सबसे निकटतम हजार में गोल किया गया है।
			निर्माण	रखरखाव			
उत्तर और मध्य अण्डमान	AN03DP307	सीडी, अलोनिवि डिगलीपुर के तहत SH कनेक्शन (आधि उद्योगों के पास) से बजर देव हाउस से कृष्णपुरी रोड (लक्ष्मण बिस्वास रोड) तक ग्रामीण सड़क का उन्नयन PMGSY-III] बैच– I, 2024–25 के अंतर्गत (पैकेज संख्या : AN03DP307, लंबाई 2.399 कि.मी.)।	213.13	6.99	220.12	12 महीने	4.40

ई–टेंडर फॉर्म और अन्य विवरण वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 08/05/2026 को अपराहन 1500 बजे तक होगी। अन्य विवरण/जानकारी वेबसाइट https://pmgsytendersani.nic.in पर देखी जा सकती है।

Tender ID : 2026_APWD_147346_1 कार्यपालक अभियंता, नि.मं, अलोनिवि, डिग्लीपुर

सं. ई–निविदा / डीबी / सीडी / डीपी / 2025 / 1699 दिनांक 21.04.2026
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, निर्माण मंडल अलोनिवि – डिगलीपुर
(बोली आमंत्रित करने वाले प्राधिकरण का नाम)

ई–टेंडर आमंत्रित सूचना (एनआईटी) (Re-call)

पीएमजीएसवाई– ।।।, बैच– । 2024–2025 का

कार्यकारी अभियंता, सीडी, अलोनिवि डिगलीपुर, उत्तर और मध्य अंडमान भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण के लिए इलेक्ट्रॉनिक टेंडरिंग प्रणाली में प्रतिशत दर बोली आमंत्रित करता है, जिसमें पांच साल की अवधि के लिए रखरखाव शामिल है, उन पात्र और स्वीकृत ठेकेदारों से, जिन्होंने संतोषजनक रूप से पूर्ण किया है, मुख्य ठेकेदार या उप ठेकेदार के रूप में कम से कम एक समान कार्य जो कि अनुमानित कार्य की लागत (पांच साल की रखरखाव लागत को छोड़कर) के एक–तिहाई (1/3) के बराबर है। बोलीदाता द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्धारित मूल अवधि में पूर्ण किए गए सड़क कार्य का मूल्य इस उप–क्लॉज 4.4 (A) (b) के उद्देश्य के लिए 120 प्रतिशत के रूप में माना जाएगा।

जिला	पैकेज संख्या	काम का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)		कुल लागत (लाख)	पूर्णता की अवधि	बोली सुरक्षा कुल लागत का दो प्रतिशत है, जिसे सबसे निकटतम हजार में गोल किया गया है।
			निर्माण	रखरखाव			
उत्तर और मध्य अण्डमान	AN03DP308	सीडी, अलोनिवि, डिग्लीपुर के अंतर्गत NH कनेक्शन (सिकदर बार और रेस्तरां के पास) से NH कनेक्शन (विद्यासागर पल्ली वार्ड नं. 2 के पास) तक ग्रामीण सड़क का उन्नयन पीएमजीएसवाई– ।।।, बैच– I, 2024–25 के तहत, (पैकेज नंबर AN03DP308, लंबाई 1.728 कि.मी.)।	151.13	5.00	156.13	12 महीने	3.12

ई–टेंडर फॉर्म और अन्य विवरण वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 08/05/2026 को अपराहन 1500 बजे तक होगी। अन्य विवरण/जानकारी वेबसाइट https://pmgsytendersani.nic.in पर देखी जा सकती है।

Tender ID : 2026_APWD_147345_1 कार्यपालक अभियंता, नि.मं, अलोनिवि, डिग्लीपुर

सं. ई–निविदा / डीबी / सीडी / डीपी / 2026 / 1697 दिनांक 21.04.2026
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, निर्माण मंडल अलोनिवि डिग्लीपुर
(बोली आमंत्रित करने वाले प्राधिकरण का नाम)

ई–टेंडर आमंत्रित सूचना (एनआईटी) (Re-call)

पीएमजीएसवाई– ।।।, बैच– । 2024–2025 का

कार्यकारी अभियंता, सीडी, अलोनिवि डिगलीपुर, उत्तर और मध्य अंडमान भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण के लिए इलेक्ट्रॉनिक टेंडरिंग प्रणाली में प्रतिशत दर बोली आमंत्रित करता है, जिसमें पांच साल की अवधि के लिए रखरखाव शामिल है, उन पात्र और स्वीकृत ठेकेदारों से, जिन्होंने संतोषजनक रूप से पूर्ण किया है, मुख्य ठेकेदार या उप ठेकेदार के रूप में कम से कम एक समान कार्य जो कि अनुमानित कार्य की लागत (पांच साल की रखरखाव लागत को छोड़कर) के एक–तिहाई (1/3) के बराबर है। बोलीदाता द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्धारित मूल अवधि में पूर्ण किए गए सड़क कार्य का मूल्य इस उप–क्लॉज 4.4 (A) (b) के उद्देश्य के लिए 120 प्रतिशत के रूप में माना जाएगा।

जिला		पैकेज संख्या	काम का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)		कुल लागत (लाख)	पूर्णता की अवधि	बोली सुरक्षा कुल लागत का दो प्रतिशत है, जिसे सबसे निकटतम हजार में गोल किया गया है।
				निर्माण	रखरखाव			
उत्तर और मध्य अण्डमान		AN03DP306	सीडी, अलोनिवि, डिगलीपुर के तहत गाँव सड़क कनेक्ट का उन्नयन सब केंद्र से मोनीमोहन बिस्वास के हाउस गाँधीनगर वार्ड सं. 3 से पुरानी जेट्टी (17 परिवार) से 8 परिवार समुद्र तट तक उप केंद्र के माध्यम से (सागर्दीप पुरानी जेट्टी से स्मिथ गाँव समुद्र तट तक) पीएमजीएसवाई– ।।।, बैच– I, 2024–25 के तहत (पैकेज संख्या AN03DP306, लंबाई 4.32 कि.मी.)।	737.63	25.66	763.30	12 महीने	15.27

ई–टेंडर फॉर्म और अन्य विवरण वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 08/05/2026 को अपराहन 1500 बजे तक होगी। अन्य विवरण/जानकारी वेबसाइट https://pmgsytendersani.nic.in पर देखी जा सकती है।

Tender ID : 2026_APWD_147342_1 कार्यपालक अभियंता, नि.मं, अलोनिवि, डिग्लीपुर

एलपीजी को टक्कर देगा डाइमेथाइल ईथर, जानें क्या है ये स्वदेशी ईंधन और कैसे घटाएगा रसोई का खर्च

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

आज के समय में भारत के लगभग हर घर में खाना बनाने के लिए एलपीजी का इस्तेमाल होता है. यह हमारी रसोई का सबसे जरूरी हिस्सा बन चुका है. लेकिन हाल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में उतार–चढ़ाव और सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों ने एक नई चिंता पैदा की है. ऐसे में वैज्ञानिक अब एक ऐसे विकल्प पर काम कर रहे हैं, जो न सिर्फ सस्ता हो सकता है बल्कि देश में ही तैयार किया जा सके. इस नए ईंधन का नाम है डाइमेथाइल ईथर यानी DME.

हाल के समय में वैज्ञानिकों और शोध संस्थानों ने DME को लेकर खास रुचि दिखाई है. CSIR–नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड पॉलिसी रिसर्च ने भी बताया है कि भारत में DME को LPG के विकल्प के रूप में विकसित करने पर तेजी से काम चल रहा है. माना जा रहा है कि यह भविष्य में घरेलू गैस के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकता है.

DME एक सिंथेटिक यानी कृत्रिम रूप से तैयार किया जाने वाला ईंधन है. इसकी सबसे खास बात यह है कि यह जलने पर बहुत कम प्रदूषण फैलाता है. सामान्य तापमान पर यह गैस के रूप में रहता है, लेकिन हल्का दबाव डालने पर यह तरल बन जाता है. यही वजह है कि इसे स्टोर करना और सिलेंडर में भरकर इस्तेमाल करना बिल्कुल LPG जैसा ही आसान होता है. इसीलिए वैज्ञानिक इसे घरेलू गैस का मजबूत विकल्प मान रहे हैं.

LPG मुख्य रूप से पेट्रोलियम से बनती है और इसका बड़ा हिस्सा भारत को विदेशों से आयात करना पड़ता है. इससे देश पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता है और कीमतों पर नियंत्रण भी मुश्किल हो जाता है. वहीं DME की खासियत यह है कि इसे देश के अंदर ही तैयार किया जा सकता है. इसे बायोमास, कोयला और यहां तक कि रिसाइकिल की गई कार्बन डाइऑक्साइड से भी बनाया जा सकता है. इसका मतलब यह है कि अगर DME का इस्तेमाल बढ़ता है, तो भारत को गैस के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा.

DME बनाने के लिए वैज्ञानिकों ने दो मुख्य तरीके विकसित किए हैं. पहला तरीका यह है कि सिनगैस (जिसमें कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन होता है) को पहले मेथेनॉल में बदला जाता है और फिर उससे DME तैयार किया जाता है. दूसरा तरीका और भी आधुनिक है, जिसमें एक ही प्रक्रिया में सीधे DME बनाया जाता है.

CSIR–नेशनल केमिकल लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने एक खास कैटालिस्ट विकसित किया है, जो इस प्रक्रिया को सस्ता और आसान बनाता है. यह तकनीक कम दबाव में DME तैयार करने में मदद करती है और इसे सीधे एलपीजी सिलेंडर में भरा जा सकता है.

सबसे दिलचस्प बात यह है कि DME को मौजूदा LPG सिस्टम में बिना बड़े बदलाव के इस्तेमाल किया जा सकता है. वैज्ञानिकों के अनुसार, एलपीजी में करीब 8 प्रतिशत तक DME मिलाकर इसे मौजूदा सिलेंडर, चूल्हा और रेगुलेटर में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है. इसका मतलब है कि लोगों को नया चूल्हा या सिलेंडर खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे खर्च भी कम होगा.

आज के समय में प्रदूषण एक बड़ी समस्या बन चुका है. ऐसे में DME एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है क्योंकि यह जलने पर बहुत कम कालिख, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड छोड़ता है. इससे हवा कम प्रदूषित होती है और पर्यावरण पर भी सकारात्मक असर पड़ता है. यह जलवायु परिवर्तन से लड़ने में भी मददगार हो सकता है.

भारत, न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर 27 अप्रैल को होंगे हस्ताक्षरः उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच कल नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आगरा में न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के साथ ताजमहल के दौरे के दौरान श्री गोयल ने कहा कि यह समझौता कई वर्षों की उच्च स्तरीय वार्ताओं के बाद अंतिम रूप दिया गया है और दोनों देशों के नेताओं की उपस्थिति में इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

इस समझौते का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर पांच अरब डॉलर तक पहुंचाना है। श्री गोयल ने कहा कि इस समझौते से भारतीय उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच बेहतर होगी और व्यापार के नए अवसर बढ़ेंगे।

श्री गोयल ने आगरा में चमड़ा, वस्त्र, हथकरघा, हस्तशिल्प, कालीन और मसाला जैसे क्षेत्रों से जुड़े स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात की और उनके कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि आगरा भारत के भविष्य के निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बाइक से करने वाले है लंबी ट्रिप, इन 5 गैजेट्स से सफर होगा आसान

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

बाइक ट्रिप के दौरान जितना मजा आता है उतना ही हमें सुरक्षा का भी ध्यान रखना होता है। ऐसे में ट्रिप के लिए ऐसे कुछ गैजेट्स को अपने साथ रख सकते हैं जो हमारे इस सफर को आसान बनाएंगे, यह पांच महत्वपूर्ण गैजेट्स की लिस्ट है जो बाइक ट्रिप के दौरान आपको कभी नहीं भूलनी चाहिए।

लंबी यात्रा के दौरान आपके पास एक पोर्टेबल चार्जर जरूर होना चाहिए, जो आपके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को चार्ज कर सके। यदि आपके पास पोर्टेबल चार्जर नहीं है तो आप पावर बैंक का इस्तेमाल भी कर सकते हैं, जो बैटरी खत्म होने पर आपको कनेक्टिविटी देगा।

यह गैजेट आपके फोन को बाइक के होल्डर पर सुरक्षित तरीके से माउंट करने में मदद करेगा। इससे आप ऊबै नेविगेशन का इस्तेमाल आसानी से कर पाएंगे और रास्ते को भी ध्यान से देख पाएंगे।

अगर आप अपने दोस्तों के साथ सफर कर रहे हैं तो ब्लूटूथ इंटरकॉम आपके पास होना चाहिए। जिससे आप बिना रुके सुविधा के साथ बातचीत कर सके। यह बड़े आसानी से हेलमेट में फिट हो जाता है जो आपको रीडिंग के दौरान सुरक्षा और संवाद दोनों देता है।

लंबी यात्रा के दौरान टायर पंचर होने पर आप उसे कैसे सही करेंगे, यह एक बड़ा चैलेंज हो जाता है। अगर आपके पास कंप्लीट टायर इन्लेटर और पंचर रिपेयरिंग किट है तो आपकी मुश्किल आसान हो सकती है।

बाइकिंग ट्रिप की अच्छी यादों को कैद करने के लिए आप एक्शन कैमरा का विकल्प चुन सकते हैं। जो आपके हेलमेट या फिर बाइक पर माउंटेन करेगा, जो पूरे सफर की रिकॉर्डिंग अच्छे तरीके से करते हुए आपके सफर को और रोमांचक बनाएगा।

इतिहास के पन्नों में 27 अप्रैल : 1960 में नई दिल्ली में नेशनल डिफेंस कॉलेज की शुरुआत

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

भारत सरकार ने 1959 में यूके के इम्पीरियल डिफेंस कॉलेज की तर्ज पर इस संस्थान की स्थापना का निर्णय लिया था। बाद में 27 अप्रैल को इसके औपचारिक रूप से विकसित और स्थापित होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दिन माना जाता है। इस कॉलेज का उद्घाटन भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था, जिन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के बौद्धिक विकास का केंद्र बताया।

नेशनल डिफेंस कॉलेज दिल्ली में स्थित है और इसका उद्देश्य देश के शीर्ष सैन्य एवं प्रशासनिक अधिकारियों को रणनीतिक सोच, रक्षा नीति, अंतरराष्ट्रीय संबंध और राष्ट्रीय हितों की गहन समझ प्रदान करना है। यहाँ भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

हर वर्ष लगभग 25 वरिष्ठ अधिकारी इस कोर्स के लिए चयनित होते हैं। इसके अलावा अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, नेपाल, यूएई और अन्य देशों के अधिकारी भी इसमें भाग लेते हैं, जिससे यह एक अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक मंच बन जाता है।

इस संस्थान की फैकल्टी में तीनों सेनाओं के साथ–साथ सिविल सेवाओं के अनुभवी अधिकारी शामिल होते हैं। पहले कमांडेंट लेटिनेंट जनरल के. वी. .ष्णा राव रहे, जिन्होंने इसकी नींव को मजबूत किया। एनडीसी आज भारत की सुरक्षा और नीति निर्माण में एक थिंक टैंक की भूमिका निभाता है और देश के रणनीतिक नेतृत्व को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र– 1942 – अमेरिका के ओकलाहोमा प्रांत में आए तूफान के कारण 100 लोग मारे गए।
1960 – नई दिल्ली में नेशनल डिफेंस कालेज की शुरुआत।
1972 – अंतरिक्ष यान 'अपोलो 16' पृथ्वी पर वापस लौटा।
1989 – बांग्लादेश में तूफान से 500 लोगों की मौत।
1999 – यूनेस्को द्वारा एक कोरियाई लोक गायक के नाम पर एक नये पुरस्कार अरिरंग की घोषणा, दक्षिण कोरिया एवं थाइलैंड के बीच प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर।
2005 – टुलुज (रांस) में एयरबस निर्मित दुनिया के सबसे बड़े विमान ए–380 ने पहली परीक्षण उड़ान भरी।
2008 – राजस्थान सरकार ने प्रत्येक ज़िला मुख्यालय पर विकलांगों के लिए मोबाइल् कोर्ट स्थापित करने का निर्णय लिया।
2008 – पाकिस्तान ने अपने विदेश सचिव रियाज मुहम्मद खान को बर्खास्त कर उनके स्थान पर चीन में पाकिस्तान के राजदूत सलमान बशीर को विदेश सचिव नियुक्त किया।
2008 – मोरक्को की एक गद्दा फैक्ट्री में आग लगने से 55 लोगों की मृत्यु।
2010 – यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने भारत के नागरिकों की पहचान का एक बड़ा सबूत बनने जा रहे यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर को अब नया ब्रांड नाम 'आधार' तथा नया लोगो पेश किया।
2017 – लम्बे समय से कैंसर से पीड़ित हिन्दी फ़िल्म अभिनेता विनोद खन्ना का 70 वर्ष की आयु में निधन।

नई पीढ़ी के निवेशकों से प्रौद्योगिकी बदल रही है बाजार का स्वरूपः सेबी अध्यक्ष

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड–सेबी के अध्यक्ष तुहिन कांता पांडे ने कल कहा कि प्रौद्योगिकी व्यापार, वितरण और सलाह को नया रूप दे रही है, क्योंकि डिजिटल रूप से जुड़े, जानकार और महत्वाकांक्षी निवेशकों की एक नई पीढ़ी भारत के प्रतिभूति बाजार में प्रवेश कर रही है। मुंबई में सेबी के 38वें स्थापना दिवस समारोह में श्री पांडे ने भारतीय बाजार के रूपांतरण का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि देश में अब पांच हजार 900 से अधिक सूचीबद्ध कंपनियां और 14 करोड़ से अधिक अद्वितीय निवेशक हैं। श्री पांडे ने कहा कि पिछले एक दशक में बाजार पूंजीकरण लगभग 15 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है। यह निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है।

बाजारों की बदलती प्रकृति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि केवल नियामक ही मजबूत प्रणालियां नहीं बना सकते। उद्योग के प्रतिभागियों को अनुपालन से आगे बढ़कर निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा और नवाचार के प्रति वचनबद्ध होना होगा।

शपथ पत्र

मैं, राजेश्वरी, पत्नी श्री मोक्कैयाह, निवासी गाराचरामा ग्राम, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अंडमान जिला, यह शपथपूर्वक घोषणा करती हूँ कि :

1. मेरा वास्तविक नाम राजेश्वरी है, जैसा कि मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में उल्लेखित है।
2. मेरे स्कूल प्रमाणपत्र में मेरा नाम गलत रूप से "एल राजेश्वरी" अंकित है, जबकि सही नाम राजेश्वरी है।
3. मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम गलत रूप से "मूकैयाह राजेश्वरी" अंकित है, जबकि सही नाम राजेश्वरी है।
4. मेरे पासपोर्ट में मेरे पति का नाम गलत रूप से "मूकैयाह" अंकित है, जबकि सही नाम "मोक्कैयाह" है।
5. "एल राजेश्वरी", "मूकैयाह राजेश्वरी" और "राजेश्वरी" नाम एक ही व्यक्ति के हैं।
6. "मूकैयाह" और "मोक्कैयाह" नाम एक ही व्यक्ति के हैं।
7. जहाँ कहीं भी मेरा नाम "एल राजेश्वरी" या "मूकैयाह राजेश्वरी" अंकित है, उसे संशोधित कर "राजेश्वरी" समझा और माना जाए। इसी प्रकार, जहाँ कहीं भी मेरे पति का नाम "मूकैयाह" अंकित है, उसे संशोधित कर "मोक्कैयाह" समझा और माना जाए, सभी उद्देश्यों एवं प्रयोजनों के लिए।

मैं सत्यापित करती हूँ कि उपर्युक्त पैरा 1 से 7 में दिए गए सभी कथन मेरे ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं।

स्थान : श्री विजय पुरम शपथकर्ता

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स और स्वरोजगार करने वालों को मिल रहा बढ़ावा

नई दिल्ली, 20 अप्रैल।

अगर आप अपना खुद का छोटा कारोबार शुरू करने या पुराने बिजनेस को रफ्तार देने का सपना देख रहे हैं, तो केंद्र सरकार आपके लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आई है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) के तहत अब छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स और स्वरोजगार करने वालों को बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का लोन मिल सकता है। इस शानदार योजना का मुख्य उद्देश्य देश में उद्यमिता को बढ़ावा देना और पूंजी की कमी से जूझ रहे लोगों को आसान शर्तों पर फाइनेंस उपलब्ध कराना है।

मुद्रा लोन योजना मुख्य रूप से गैर–कॉर्पोरेट और छोटे व्यवसायों की आर्थिक मदद के लिए तैयार की गई है। इसके तहत देश के विभिन्न बैंक, माइक्रोफाइनेंस संस्थान और एनबीएफसी (NBFC) आसानी से कर्ज मुहैया कराते हैं। इस योजना को शिशु, किशोर और तरुण नाम की तीन अलग–अलग श्रेणियों में बांटा गया है। समय के साथ कारोबारियों की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब सरकार ने लोन की अधिकतम सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी है, ताकि बड़े पैमाने पर लोगों को इसका सीधा फायदा मिल सके और वे अपने व्यवसाय को नया मुकाम दे सकें।

इस सरकारी योजना की सबसे बड़ी और अहम खासियत यह है कि इसमें आवेदक को बैंक के पास कोई संपत्ति गिरवी (कोलैटरल) रखने या गारंटी देने की आवश्यकता नहीं होती है। सरकार खुद क्रेडिट गारंटी सपोर्ट देती है, जिसके चलते बैंक आसानी से लोन पास कर देते हैं। इस लोन के लिए आवेदन करते समय कुछ बुनियादी दस्तावेजों की जरूरत होती है। इनमें आपकी पहचान का प्रमाण (आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी), पते का पुख्ता प्रमाण (बिजली बिल या राशन कार्ड), आपके बिजनेस का पूरा प्लान, पिछले 6 से 12 महीने का बैंक स्टेटमेंट और पासपोर्ट साइज फोटो शामिल हैं। हालांकि, बैंक लोन मंजूर करने से पहले आवेदक का प्रोफाइल और उसकी पुरानी क्रेडिट हिस्ट्री (सिबिल स्कोर) जरूर परखते हैं।

छोटे दुकानदार, कारीगर, महिला उद्यमी और स्टार्टअप चलाने वाले लोग इस योजना का भरपूर लाभ उठा सकते हैं। इस लोन पर ब्याज दरें विभिन्न बैंकों के नियमों के अनुसार तय होती हैं, जो आमतौर पर 8% से 12% के बीच रहती हैं। इसके भुगतान के लिए 3 से 5 साल तक का पर्याप्त समय दिया जाता है, जिससे हर महीने ईएमआई (EMI) का बोझ कारोबार पर भारी नहीं पड़ता। लोन लेने की प्रक्रिया को बेहद आसान बनाया गया है। आवेदक अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर या घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। आज के डिजिटल युग में कई बैंक तो बहुत ही कम समय में लोन अप्रूव कर रहे हैं, जिससे लोगों के समय की भारी बचत हो रही है। यह योजना न केवल स्वरोजगार को पंख दे रही है, बल्कि देश में रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रही है।

जनगणना 2027: भारत की पहली 'डिजिटल जनगणना' से नीति निर्माण को मिलेगा बढ़ावा, होगी दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

भारत की जनगणना 2027 देश की पहली पूरी तरह 'डिजिटल जनगणना' होगी। इसमें मोबाइल के जरिए डेटा जुटाया जाएगा, जिससे सही और विस्तृत जानकारी मिलेगी और बेहतर नीति बनाने में मदद मिलेगी। शनिवार को एक आधिकारिक फैक्ट–शीट में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस जनगणना में कई नई सुविधाएं होंगी, जैसे कि सेंसस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीएमएमएस) पोर्टल के जरिए लगभग रियल–टाइम निगरानी, खुद से जानकारी भरने का विकल्प और जियो–रेफरेंस्ड क्षेत्रों का व्यापक उपयोग।

राजनैतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 30 अप्रैल 2025 को हुई अपनी बैठक में जनगणना 2027 में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय लिया। इससे पहले 2011 की जनगणना तक केवल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की ही व्यवस्थित गणना होती थी। इस पूरी प्रक्रिया के लिए 11,718.24 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है और डेटा सुरक्षा के लिए मजबूत इंतजाम किए गए हैं।

जनगणना 2027 को दो चरणों में किया जाएगा, ताकि पूरे देश में व्यवस्थित और व्यापक तरीके से डेटा इकट्ठा किया जा सके। सरकार के अनुसार, सुरक्षित डेटा सेंटर और बड़े कार्यबल की मदद से यह जनगणना भरोसेमंद जानकारी देगी, जिससे लक्षित और समावेशी नीति बनाना आसान होगा। बयान में आगे कहा गया है कि जनगणना से जनसंख्या के रुझानों को सही तरीके से समझने में मदद मिलती है और इससे भोजन, पानी, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में बेहतर योजना बनाई जा सकती है। यह स्थानीय स्तर पर भी सटीक जानकारी देता है, ताकि सरकारी योजनाओं को सही जगह तक पहुंचाया जा सके।

स्वतंत्रता के बाद यह देश की आठवीं जनगणना होगी, जो पहले से ज्यादा अपडेट और विस्तृत जानकारी देगी। इससे बदलती सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार योजना बनाना आसान होगा। जनगणना देश या किसी विशिष्ट क्षेत्र के सभी व्यक्तियों से संबंधित जनसांख्यिकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आंकड़ों के संग्रह, संकलन, विश्लेषण और प्रसार की प्रक्रिया है। जनगणना के माध्यम से एकत्रित सूचनाओं का विशाल भंडार इसे योजनाकारों, प्रशासकों, शोधकर्ताओं और अन्य डेटा उपयोगकर्ताओं के लिए आंकड़ों का सबसे समृद्ध स्रोत बनाता है। जनगणना गवर्नेंस के लिए एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में कार्य करती है, जो राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में साक्ष्य–आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है।

यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना होगी और डिजिटल तकनीक, मजबूत डेटा सुरक्षा और आसान प्रक्रियाओं के साथ यह डेटा–आधारित नीति निर्माण को और मजबूत बनाएगी। (इनपुट–आईएएनएस)

तमिलनाडु और मेघालय को केंद्र की पांच वर्षीय परियोजना में जैव विविधता संरक्षण

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

देश में जैव विविधता संरक्षण को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार ने पांच वर्षीय एक परियोजना शुरू की है। इस पहल के तहत स्थानीय समुदायों, पंचायत संस्थाओं और विभिन्न एजेंसियों को जोड़कर संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ–साथ आजीविका के अवसर भी विकसित किए जाएंगे।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई 'जैव विविधता संरक्षण प्रतिबद्धताओं को सुरक्षित करने के लिए संस्थागत क्षमता सुदृढ़ीकरण' परियोजना वर्ष 2025 से 2030 तक चलेगी। इस परियोजना को वैश्विक पर्यावरण सुविधा और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से 4.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

यह परियोजना तमिलनाडु और मेघालय के दो महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्रों में लागू की जाएगी। तमिलनाडु में पश्चिमी और पूर्वी घाटों के संगम क्षेत्र स्थित सत्यमंगलम परिदृश्य जिसमें मुदुमलाई बाघ अभयारण्य और सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य शामिल हैं। इन वन क्षेत्रों से जुड़े समुदायों की भागीदारी से जैव विविधता संरक्षण को ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में शामिल किया जाएगा। वहीं, मेघालय के गारो पहाड़ियों क्षेत्र में नोकरेक जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र,

बलपाक्रम राष्ट्रीय उद्यान और सिजू वन्यजीव अभयारण्य के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर संरक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय विकास योजनाओं में जैव विविधता को शामिल कर पंचायती राज संस्थाओं और जैव विविधता प्रबंधन समितियों को सशक्त बनाना है। इसके तहत वन विभाग, राजस्व विभाग, जनप्रतिनिधियों और नागरिक समाज को साथ लाकर सामुदायिक भागीदारी आधारित संरक्षण योजनाएं तैयार की जाएंगी। इसके अलावा, परियोजना के तहत पहुंच एवं लाभ साझेदारी व्यवस्था, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सहयोग और हरित सूक्ष्म उद्यमों के माध्यम से नवाचारी वित्तीय तंत्र विकसित किए जाएंगे, जिससे संरक्षण के साथ–साथ स्थानीय लोगों को स्थायी आजीविका मिल सके।

शहरी चुनौती कोष के अंतर्गत अगले चार वर्षों में शहरों के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी सरकार

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

केन्द्रीय आवसन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा है कि सरकार अगले चार वर्षों में शहरी चुनौती कोष के अंतर्गत शहरों के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। नई दिल्ली में कल आवास और शहरी विकास लिमिटेड (हुडको) के 56वें स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि राज्य सरकारें इसी दिशा में अलग से एक लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। श्री मनोहर लाल ने कहा कि शहरी चुनौती कोष को हाल में स्वी.ति मिली थी और इसकी कुल केन्द्रीय सहायता एक लाख करोड़ रुपये है।

आवासन मंत्री ने कहा कि हुडको अपने स्थापना के बाद से लगातार विकास कर रहा है और शहरी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि परिहवन केन्द्रित विकास निति के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो स्टेशनों के आसपास के इलाकों में बड़ी आवासीय परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस निति से नागरिकों के लिए मेट्रो से सीधे जुड़ने में मदद मिलेगी। श्री मनोहर लाल ने इस बात पर जोर दिया कि देश में अगले बीस वर्ष के दौरान शहरी विकास पर करीब सत्तर लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाने का अनुमान है।

हुडको, आवासन और शहरी कार्य मत्रालय के अंतर्गत केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम की नवरत्न कम्पनी है। इसके स्थापना दिवस कार्यक्रम में आवासन और शहरी विकास कार्य राज्य मंत्री तोखन शाहू भी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने चुनाव प्रक्रिया का अवलोकन कर सराहना की

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

चुनाव आयोग ने अंतरराष्ट्रीय निर्वाचन आगंतुक कार्यक्रम के तहत तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनावों के पहले चरण में 16 देशों के 32 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को चुनाव प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया। इन देशों के प्रतिनिधियों ने देश की चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शी, व्यवस्थित और व्यापक चुनाव प्रणाली की सराहना की। चुनाव आयोग के अनुसार, इन प्रतिनिधियों ने 22 और 23 अप्रैल को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के दौरे के दौरान मतदान केंद्रों, प्रेषण केंद्रों और निगरानी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को लोकतंत्र का वास्तविक उत्सव बताते हुए रिकॉर्ड मतदाता भागीदारी, सटीक योजना और सुचारु संचालन की प्रशंसा की।

दौरे की शुरुआत में प्रतिनिधियों ने प्रेषण एवं वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया, जहां मतदान दलों और चुनाव सामग्री की व्यवस्थित आवाजाही को देखा। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की पारदर्शी व्यवस्था और चुनावी प्रबंधन को प्रभावी बताया।

प्रतिनिधियों ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और जिला स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा और चुनाव संचालन की जानकारी ली। इस दौरान बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर से मतदान की सुविधा को विशेष रूप से सराहा गया।

मतदान दिवस पर प्रतिनिधियों ने प्रारंभिक परीक्षण मतदान प्रक्रिया देखी और इसके बाद विभिन्न मतदान केंद्रों पर जाकर वास्तविक मतदान का अवलोकन किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर रैंप, व्हीलचेयर, स्वयंसेवक और शिशु देखभाल जैसी सुविधाओं को समावेशी व्यवस्था का उदाहरण बताया।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मिला दो हजार वर्ष पुराना तीन किलोग्राम का प्राचीन ताम्रपत्र

बिलासपुर/रायपुर, 26 अप्रैल।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के मल्हार क्षेत्र निवासी संजीव पाण्डेय के पास से लगभग 2000 वर्ष पुराना लगभग 3 किलोग्राम वजन का एक प्राचीन ताम्रपत्र मिला है। यह ताम्रपत्र भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के चलाए जा रहे 'ज्ञान भारतम' अभियान के दौरान प्रकाश में आया। इस अभियान का उद्देश्य देश के कोने–कोने में छिपी प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों को खोजना और उन्हें संरक्षित करना है।

इतिहासकार डॉ. एलएस निगम ने पहले भी मल्हार को दक्षिण कौशल की कला और संस्कृति का केंद्र बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह ताम्रपत्र उस समय के भूमि दान या राजकीय आदेशों का प्रमाण हो सकता है, जो उस दौर के सामाजिक ढांचे को स्पष्ट करेगा। इस ताम्रपत्र पर पाली भाषा का प्रयोग किया गया है। प्राचीन समय में विशेषकर बौद्ध काल और मौर्य काल के दौरान पाली आम जनमानस और धार्मिक उपदेशों की प्रमुख भाषा हुआ करती थी। जबकि इसे ब्राह्मी लिपि में लिखा गया है। ब्राह्मी लिपि से ही आधुनिक देवनागरी और कई अन्य भारतीय लिपियों का विकास हुआ है। अक्षरों के घुमाव और शैली से यह पता चलता है कि यह प्रथम सेंचुरी बीसी का है या बाद का। वर्तमान में पुरातत्व विभाग और 'ज्ञान भारतम' अभियान के विशेषज्ञ इस ताम्रपत्र की साफ–सफाई और इसके एक–एक अक्षर को पढ़ने का काम कर रहे हैं। पूर्ण अनुवाद होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इसमें किस राजा जैसे मौर्य सम्राट या सातवाहन शासक का उल्लेख है। विशेषज्ञों का मानना है कि ताम्रपत्र पर पाली भाषा और ब्राह्मी लिपि का यह मेल इसके मौर्यकालीन या उसके ठीक बाद के काल लगभग 2000 साल पुराना होने का पुख्ता संकेत देता है।

हेल्थ टिप्स : खुश और सेहतमंद रहने का बेहतरीन तरीका है 'सेल्फ लव'

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में खुद को खुश और स्वस्थ रखने का बेहतरीन तरीका है सेल्फ लव यानी खुद से प्यार करना। यह कोई स्वार्थ नहीं, बल्कि खुद का सम्मान, स्वीकार और देखभाल करना है। जब आप खुद से प्यार करते हैं, तो तन और मन दोनों फिट और फाइन रहते हैं। नेशनल हेल्थ मिशन सेल्फ लव के बारे में जानकारी देते हुए बताता है, स्वयं का सम्मान और ध्यान रखना सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि भीतर से मजबूती देने वाला एहसास है। याद रखें, मदद लेना भी खुद के प्रति प्रेम और सम्मान का संकेत है। इसके लिए खुद की तारीफ करें, जरूरत पड़ने पर मदद लें, आराम करें और खुद को प्राथमिकता दें। खुद से किया गया प्यार सबसे अच्छा प्यार है, जो आपको मजबूत, खुश और स्वस्थ बनाता है।

सेल्फ लव का मतलब है खुद को अपनी कमियों, ताकतों, गलतियों और उपलब्धियों के साथ वैसे ही स्वीकार करना जैसे आप हैं। खुद के प्रति विनम्र रहना, नकारात्मक आत्म–आलोचना को कम करना, अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देना और खुद को प्रोत्साहित करना इसमें शामिल है। यह खुद को दोष देने के बजाय खुद को माफ करना, खुद की तुलना दूसरों से न करना और अपनी खुशियों को संजोना सिखाता है।

एक्सपर्ट के अनुसार, सेल्फ लव के कई फायदे हैं। यह मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इससे तनाव, चिंता और घबराहट की समस्या दूर होती है। नकारात्मक सोच

कम होने से मन शांत रहता है, खुशी और ग्रैटिट्यूड बढ़ता है। रिसर्च दिखाती है कि सेल्फ–कंपैशन से तनाव घटता है और भावनात्मक संतुलन बना रहता है। इससे आत्मविश्वास और रेजिलिएंस बढ़ता है। इससे खुद पर भरोसा मजबूत होता है। जीवन की चुनौतियों का सामना आसानी से किया जा सकता है, असफलता से टूटने की बजाय मजबूत होकर उठते हैं।

जब खुद की अहमियत करते हैं तो दूसरों से भी रिश्ते मजबूत होते हैं। सेल्फ लव की वजह से दूसरों से भी स्वस्थ और संतुलित रिश्ते बनते हैं। बाउंड्री सेट करना आसान होता है। यही नहीं शारीरिक स्वास्थ्य भी सुधरता है। सेल्फ लव से सेल्फ–केयर की आदत पड़ती है अच्छा खाना, व्यायाम, नींद और आराम इसमें शामिल होते हैं। इससे स्ट्रेस हार्मोन कम होते हैं, इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, दिल की बीमारियां और अन्य समस्याओं का खतरा घटता है।

इंसानों जैसा महसूस करेंगे रोबोट! जानिए क्या है इलेक्ट्रॉनिक स्किन जिसे छूते ही मिल जाता है सिग्नल

नई दिल्ली, 26 अप्रैल।

टेक्नोलॉजी की दुनिया तेजी से बदल रही है और अब ऐसे इलेक्ट्रॉनिक मटेरियल विकसित किए जा रहे हैं जो इंसानी स्किन की तरह लचीले और संवेदनशील हों. University of Turku के शोधकर्ताओं ने एक खास तरह की स्ट्रेचेबल और ट्रांसपेरेंट इलेक्ट्रॉनिक तकनीक तैयार की है जो मुड़ सकती है, खिंच सकती है और यहां तक कि इंसानी स्किन जैसा रिएक्शन भी दे सकती है. यह खोज भविष्य में स्मार्टफोन्स से लेकर मेडिकल प्रॉस्थेटिक्स तक कई क्षेत्रों में बड़ा बदलाव ला सकती है.

Interesting Engineering की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस रिसर्च टीम का नेतृत्व विपुल शर्मा ने किया. उनका ध्यान ऐसे इलेक्ट्रॉनिक मटेरियल बनाने पर था जो सिर्फ लचीले ही नहीं बल्कि पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित हों. इसके लिए उन्होंने पेड़ों की पत्तियों जैसी प्राकृतिक संरचनाओं से प्रेरणा लेकर हल्के, मजबूत और टिकाऊ मटेरियल तैयार किए. शोधकर्ताओं का कहना है कि ये नए मटेरियल स्ट्रेचेबल, सांस लेने योग्य, कंडक्टिव और ट्रांसपेरेंट हैं जो इन्हें पुराने इलेक्ट्रॉनिक्स से बेहतर बनाते हैं.

इस तकनीक को परखने के लिए वैज्ञानिकों ने एक इलेक्ट्रॉनिक स्किन तैयार की और उसे रोबोटिक हाथ पर लगाया. नतीजे चौंकाने वाले थे जैसे ही इस स्किन को छुआ गया इसमें लगे प्रेशर सेंसर तुरंत एक्टिव हो गए और रोबोट को स्पर्श का एहसास होने लगा. यह दिखाता है कि आने वाले समय में रोबोट सिर्फ काम ही नहीं करेंगे बल्कि वे महसूस भी कर सकेंगे.

यह तकनीक खासतौर पर प्रॉस्थेटिक्स के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है. भविष्य में ऐसी इलेक्ट्रॉनिक स्किन की मदद से लोग अपने एआई हाथ–पैरों से दबाव, तापमान और नमी जैसी चीजों को महसूस कर पाएंगे. इससे आर्टिफिशियल अंग और भी ज्यादा नैचुरल लगेंगे.

यह टेक्नोलॉजी सॉट रोबोटिक्स में भी तेजी से इस्तेमाल हो रही है. Anastasia Koivikko के अनुसार, ऐसे रोबोट बनाए जा रहे हैं जो इंसानों के साथ सुरक्षित तरीके से काम कर सकें. हेल्थकेयर में ये रोबोट मरीजों को उठाने या उनके अंगों की रिकवरी में मदद कर सकते हैं. वहीं इंडस्ट्री में ये नाजुक चीजों को बिना नुकसान पहुंचाए संभाल सकते हैं.

सॉफ्ट रोबोट्स की खासियत है कि ये तंग जगहों में भी आसानी से काम कर सकते हैं. यही वजह है कि इन्हें रेस्क्यू मिशन, अंडरग्राउंड ऑपरेशन और यहां तक कि अंतरिक्ष में भी इस्तेमाल करने की संभावनाएं देखी जा रही हैं. ये रोबोट बिजली, हवा, रोशनी या तरल पदार्थों से चल सकते हैं और जरूरत के हिसाब से फैल, मुड़ या उछल भी सकते हैं.